संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार ....----पृष्ठ 4......दिनांक 25-4-..2021

नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता में रतलाम नगर बनेगा नम्बर-1

नगर के सभी 49 जीरो वेस्ट वार्डों में घर-घर से किया जा रहा है कचरा एकत्रीकरण

प्रसारण न्यूज़ * रतलाम

25-4-2021

कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार रतलाम नगर के सभी 49 वार्डों को जीरो वेस्ट वार्ड बनाया जा चुका है, जिसके तहत स्व सहायता समूह की रैग पिकर्स महिलाओं को शहर में ही रोजगार मिलने के साथ ही सूखे कचरे का निष्पादन भी किया जा रहा है। इस कार्य में रतलाम नगर के नागरिक भी जागरूक हो चुके है नागरिकों के सहयोग से ही रतलाम नगर स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में नम्बर 1 बनेगा।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि नगर के सभी 49 वार्डों को जीरो वेस्ट वार्ड बनाये जाने से वार्डों की सड़कों, गलियों एवं नालियों में कचरे की मात्रा कम हुई है नागरिक भी प्रातः अपने घरो, दुकानों से निकलने वाले कचरे का स्वयं गीले एवं सूखे कचरे पृथक्कीकरण कर कचरा संग्रहण वाहन में डाला जा रहा है, इस कार्य में रैग पिकर्स महिलाओं द्वारा भी पुरा सहयोग किया जा रहा है। निगम कचरा संग्रहण वाहन के सूखे कचरे को एक स्थान पर खाली किया जाकर रैग पिकर्स महिलाओं द्वारा पुस्टा, अखबार, लोहा, कपड़ा, शाल, कांच, पैकिंग मटेरियल, टूटे खिलौनें, प्लास्टिक आदि को पृथक कर कबाड़ी को बेचा जा रहा है, जिसका कबाड़ी द्वारा रजिस्टर भी संधारित किया जा रहा है।

वार्डों में कचरा संग्रहण वाहन के साथ दुर्गा व ईश्वर स्व सहायता समूह रैग पिकर्स महिला, आई.ई.सी. टीम के सदस्य, वार्ड पर्यवेक्षक, दरोगा, इंजीनियर आदि ने वार्ड के 100 प्रतिशत घरो पर जाकर नागरिकों से गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक प्राप्त कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन के पृथक-पृथक वाहनों में डाला। संग्रहित किए गए सूखे कचरे को एक स्थान पर खाली कर समूह की महिलाओं द्वारा कचरे की छंटनी कर एकत्रित किया गया। नागरिकों से अपील जाती है कि वे अपने घरो एवं दुकानों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को पृथक-पृथक कचरा पात्रों में एकत्रित कर अपने घर के बाहर रख दें निगम द्वारा उसे कचरा संग्रहण वाहन में पृथक-पृथक डाला जाएगा।

निगम आयुक्त श्री झारिया नें बताया कि स्व सहायता समूहों की रैग पिकर्स महिलाएं अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन करने के लिए अपने बच्चों के साथ जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउन्ड पर सूखे कचरे से प्लास्टिक, रबर, बॉटल व अन्य सामग्री अलग-अलग करके कबाड़ी को विक्रय कर नारकीय जीवन व्यतीत कर रही थी। जीरो वेस्ट वार्ड बनाने के तहत अब जुलवानिया की रैग पिकर्स महिलाओं को वार्डों में ही काम मिलने लगा है व इनकी सुरक्षा के लिये निगम द्वारा एप्रीन, ग्लब्स, मास्क आदि उपलब्ध कराये गये है। इन्हे वार्ड में ही कार्य मिलने से इनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

गंदगी का मुख्य कारण है पॉलीथीन इसलिए 50 माईक्रोन से कम मोटाई की पॉलीथीन को पूर्णतः बंद किया जाना है इस हेतु निगम आयुक्त श्री झारिया ने सभी वार्ड पर्यवेक्षक, दरोगा, स्पॉट फाईन दल यह निगरानी रखें कि इसका भण्डारण कहां होता है व विक्रय कौन कौन करता है, सही जानकारी प्राप्त होने पर संबंधित की पॉलीथीन जब्त की जाकर फुटकर व्यवसायियों पर 50 व दुकानदारं पर 5000 का स्पॉट फाईन किया जाए।

नागरिकों के सहयोग से स्वच्छता में रतलाम नगर बनेगा नम्बर–1

इन्दौर ... 25-4-2021

नगर के सभी 49 जीरो वेस्ट वार्डों में घर–घर से किया जा रहा है कचरा एकत्रीकरण

रतलाम। कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार रतलाम नगर के सभी 49 वार्डो को जीरो वेस्ट वार्ड बनाया जा चुका है जिसके तहत स्व सहायता समूह की रैग पिकर्स महिलाओं को शहर में ही रोजगार मिलने के साथ ही सूखे कचरे का निष्पादन भी किया जा रहा है। इस कार्य में रतलाम नगर के नागरिक भी जागरूक हो चुके है नागरिकों के सहयोग से ही रतलाम नगर स्वच्छ सर्वेक्षण-2021 में नम्बर 1 बनेगा।

निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया कि नगर के सभी 49 वार्डो को जीरो वेस्ट वार्ड बनाये जाने से वार्डो की सड़कों, गलियों एवं नालियों में कचरे की मात्रा कम हुई है नागरिक भी प्रातः अपने घरो, दुकानों से निकलने वाले कचरे का स्वयं गीले एवं सूखे कचरे पृथक्कीकरण कर कचरा संग्रहण वाहन में डाला जा रहा है इस कार्य में रैग पिकर्स महिलाओं द्वारा भी पुरा सहयोग किया जा रहा है। निगम कचरा संग्रहण वाहन के सूखे कचरे को एक स्थान पर खाली किया जाकर रैग पिकर्स महिलाओं द्वारा पुस्टा, अखबार, लोहा, कपड़ा, शाल, कांच, पैकिंग मटेरियल, टूटे खिलौने, प्लास्टिक आदि को पृथक कर कबाड़ी को बेचा जा रहा है जिसका कबाड़ी द्वारा रजिस्टर भी संधारित किया जा रहा है।

वार्डो में कचरा संग्रहण वाहन के साथ दुर्गा व ईश्वर स्व सहायता समूह रैग पिकर्स महिला, आई.ई.सी. टीम के सदस्य, वार्ड पर्यवेक्षक, दरोगा, इंजीनियर आदि ने वार्ड के 100 प्रतिशत घरो पर जाकर नागरिकों से गीला एवं सूखा कचरा पृथक-पृथक प्राप्त कर निगम के कचरा संग्रहण वाहन के पृथक-पृथक वाहनों में डाला। संग्रहित किये गये सूखे कचरे को एक स्थान पर खाली कर समूह की महिलाओं द्वारा कचरे की छंटनी कर एकत्रित किया गया। नागरिकों से अपील जाती है कि वे अपने घरो एवं दुकानों से निकलने वाले गीले एवं सूखे कचरे को पृथक-पृथक कचरा पात्रों में एकत्रित कर अपने घर के बाहर रख दे निगम द्वारा उसे कचरा संग्रहण वाहन में पृथक-पृथक डाला जायेगा।

निगम आयुक्त श्री झारिया ने बताया कि स्व सहायता समूहों की रैग पिकर्स महिलाऐं अपना एवं अपने परिवार का जीवन यापन करने के लिये अपने बच्चों के साथ जुलवानिया टेचिंग ग्राउण्ड पर सूखे कचरे से प्लास्टिक, रबर, बॉटल व अन्य सामग्री अलग-अलग करके कबाड़ी को विक्रय कर नारकीय जीवन व्यतीत कर रही थी। जीरो वेस्ट वार्ड बनाने के तहत अब जुलवानिया की रैग पिकर्स महिलाओं को वार्डो में ही काम मिलने लगा है व इनकी सुरक्षा के लिये निगम द्वारा एप्रीन, ग्लब्स, मास्क आदि उपलब्ध कराये गये है। इन्हे वार्ड में ही कार्य मिलने से इनके जीवन स्तर में सुधार होगा।

गंदगी का मुख्य कारण है पॉलीथीन इसलिये 50 माईक्रोन से कम मोटाई की पॉलीथीन को पूर्णतः बंद किया जाना है इस हेतु निगम आयुक्त श्री झारिया ने सभी वार्ड पर्यवेक्षक, दरोगा, स्पॉट फाईन दल यह निगरानी रखें कि इसका भण्डारण कहां होता है व विक्रय कौन कौन करता है सही जानकारी प्राप्त होने पर संबंधित की पॉलीथीन जब्त की जाकर फुटकर व्यवसायियों पर 50 व दुकानदारों पर 5000 का स्पॉट फाईन किया जाये।

प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन हेतु अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्त

रतलाम। कोविड-19 महामारी चलते मध्यप्रदेश के ऐसे मूल निवासी जो अन्य राज्य में श्रमिक के रूप में कार्य कर रहे थे, 10 मार्च 2021 या उसके बाद प्रदेश में वापस लौट रहे है उन प्रवासी श्रमिकों को प्रवासी श्रमिक पोर्टल एवं रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीयन किये जाने हेतु निगम आयुक्त श्री सोमनाथ झारिया ने निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों को वार्ड वार नियुक्त किया है।

निगम आयुक्त ने श्रमिकों के पंजीयन हेतु वार्ड वार नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि शासन निर्देशानुसार प्रवासी श्रमिकों का पंजीयन किया जाकर उन्हे संबल पोर्टल में पंजीयन उपरान्त उनकी पात्रतानुसार शासन की विभिन्न योजनाओं लाभ दिया जाना है तथा रोजगार पोर्टल के माध्यम से इन प्रवासी श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जाना है इस हेतु वे अपने-अपने वार्डों में पंजीयन का समय-सीमा में संपादित करें।

प्रवासी श्रमिकों के पंजीयन हेतु अधिकारी एवं कर्मचारी नियुक्त

रतलाम। कोविड-19 महामारी चलते मध्यप्रदेश के ऐसे मूल निवासी जो अन्य राज्य में श्रमिक के रूप में कार्य कर रहे थे। 10 मार्च 2021 या उसके बाद प्रदेश में वापस लौट रहे है, उन प्रवासी श्रमिकों को प्रवासी श्रमिक पोर्टल एवं रोजगार सेतु पोर्टल पर पंजीयन किए जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने निगम के अधिकारी एवं कर्मचारियों को वार्ड वार नियुक्त किया है। निगम आयुक्त श्री झारिया ने श्रमिकों के पंजीयन हेतु वार्ड वार नियुक्त अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया है कि शासन निर्देशानुसार प्रवासी श्रमिकों का पंजीयन किया जाकर उन्हे संबल पोर्टल में पंजीयन उपरान्त उनकी पात्रतानुसार शासन की विभिन्न योजनाओं लाभ दिया जाना है तथा रोजगार पोर्टल के माध्यम से इन प्रवासी श्रमिकों को रोजगार के अवसर उपलब्ध करांये जाना है इस हेतु वे अपने-अपने वार्डों में पंजीयन का समय-सीमा में संपादित करें।

पत्रिका 1५ - 25-4-2021

सोशल डिस्टेंस का पाठ....

शहर के कालिका माता उद्यान में इन दिनों लॉकडाउन के चलते आम आवाजाही बंद है। उद्यान की हरी घास के बीच पक्षियों का एक झुंड अलग ही संदेश देता नजर आ रहा है, सभी पक्षी एक दूसरे से एक निश्चित दूरी बनाए अपना भोजन तलाश रहे हैं, हालांकि यह नजरिया है, लेकिन वर्तमान हालात में एक बड़ा संदेश भी। लगातार फैलते कोरोना के संक्रमण से बचना है तो हमें भी सोशल डिस्टेंस का पालन करना ही होगा, क्योंकि बचाव और सुरक्षा के लिए मास्क, सैनेटाइजर और डिस्टेंस बड़ा हथियार हैं।

\- स्वदेश शर्मा, रतलाम।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार .... --पृष्ठ ...... दिनांक 2021

नगर में प्रतिदिन किया जा रहा है सेनेटाईजेशन

नगर के विभिन्न क्षेत्रों को फायर लॉरी से किया सेनेटाईज

प्रसारण न्यूज़ • रतलाम

25-4-2021

नगर के नागरिकों को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने हेतु जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम गोपालचन्द्र डाड के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सेनेटराईज किया जा रहा है, साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सेनेटाईजेशन किया जा रहा है।

नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व ट्रेक्टर-ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सेनेटराईज किया जा रहा है।

23 अप्रैल को फायर लॉरी से नयागांव राजगढ़, बिरियाखेड़ी, गणेश नगर, सिंधी कालोनी, डोंगरे नगर, कस्तुरबा नगर, विनोबा नगर, महेश नगर, गोकुलधाम कालोनी, इन्द्रलोक नगर सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सेनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई-दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय सहित शासकीय कार्यालयो आदि में सेनेटाईजेशन का कार्य किया गया।

नगर के सेनेटाईज किए जाने के साथ ही स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई का कार्य किया जा रहा है व सफाई उपरान्त सफाई स्थल व नालियों में कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है।

...की भी लगा दी पूरी हाजिरी

...दिए जांच के आदेश

...तब पेमाल नगर निगम के ...री थे। उनकी 1 फरवरी से 28 फरवरी तक प्रतिदिन काम पर आने की उपस्थिति पत्रक में लगाई गई है। नगर निगम के कर्मचारी की एक दिन की उपस्थिति तब लगती है जब वो सुबह व दोपहर की पाली में दोनों समय काम करता है। अगर एक समय काम करता है तो आधे दिन की उपस्थिति लगती है। हैरानी की बात तो यह है कि पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद पेमाल को नगर निगम ने दंड देते हुए निलंबित भी कर दिया था, लेकिन उनकी उपस्थिति पूरी दिखाई गई। अब इस मामले का खुलासा हुआ तो हड़कंप मच गया।

जांच के आदेश दिए

नगर निगम के दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हितेश पेमाल द्वारा मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने व इसके बाद गिरफ्तारी की जानकारी मिली है। इस दौरान उनकी पूरी उपस्थिति किस तरह से लगी यह जांच के आदेश दिए गए है।

- सोमनाथ झारिया, आयुक्त नगर निगम

सैंपल देते समय पते व मोबाइल नंबर गलत बता रहे, जान पर न बन आए इस चालाकी से

होम आइसोलेट मरीज को ढूंढने के लिए करना पड़ रही मशक्कत, 25 लोगों ने गलत लिखवाए पते

भास्कर संवाददाता | रतलाम

25-4-2021

कोरोना संक्रमित की जिंदगी बचाने की जद्दोजहद में जुटे नगर निगम अमले को इन दिनों मरीजों को ढूंढने में खासी मशक्कत करना पड़ रही है। क्योंकि कई लोग अपने नाम-पते सही नहीं लिखवा रहे हैं। यहां तक कि उनके मोबाइल नंबर तक गलत है। ऐसे में नगर निगम का अमला होम आइसोलेट मरीजों तक मेडिकल किट नहीं पहुंचा पा रहा है।

पांच दिन में निगम के दल 743 में से 608 मरीजों तक किट पहुंचा चुका है। 25 मरीज ऐसे है, जिन्होंने सैंपल देते समय या पते और मोबाइल नंबर गलत लिखवा दिए तो कुछ मोबाइल अटैंड नहीं कर रहे। इन मरीजों तक मेडिसिन किट नहीं पहुंच पा रही है। लापरवाही स्वास्थ्य विभाग की भी है, जिन्होंने सैंपल लेने की जल्दबाजी में मरीजों का डाटा आधार कार्ड या अन्य दस्तावेज से चेक नहीं किया। अब परेशान नगर निगम का अमला है, जिसे मरीजों को ढूंढने के लिए प्रयास करना पड़ रहे हैं। बता दें कि निगम के दल स्वास्थ्य से मिलने वाली सूची के अनुसार ही मेडिसिन किट बांट रहे हैं।

मरीज को घर पर किट देते दरोगा।

किट में ये दवाइयां

- मेडिसिन कितनी गोली सेवन की विधि
- एजिथ्रोमाइसिन (500 एमजी) 5 दिन में एक बार
- पेरासिटामोल (500 एमजी) 10 बुखार में
- सेट्रीजीन (10 एमजी) 5 रात में एक बार
- मल्टी विटामिन टेबलेट 10 दिन में एक बार
- रेनिटिडीन (150 एमजी) 10 दिन में एक
- जिंक (20 एमजी) 10 एक बार दिन में
- विटामिन-सी (1000 एमजी) 10 दिन में एक बार

अप्रैल में किट वितरण

तारीख	मरीज	वितरण	गलत पते
20	133	119	1
21	148	124	4
22	103	92	2
23	160	123	12
24	199	150	6
योग	743	608	25

पते सही लिखवाएं

प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह के अनुसार मेडिसिन किट मरीजों का इलाज के लिए दी जा रही है। पते और मोबाइल नंबर गलत लिखवाने के कारण उन तक किट नहीं पहुंच पाएगी। इससे उनका इलाज नहीं हो पाएगा। इसलिए सभी को रिकॉर्ड में सही नाम, पता और मोबाइल लिखवाना चाहिए। जिससे कि आपात स्थिति में मदद मिल सके।

होम आईसोलेशन मरीजों को मेडिसिन कीट का वितरण

रतलाम। कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन कीट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल कीट प्रदान की। ई-दक्ष केन्द्र रतलाम से होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 160 मेडिसिन कीट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजो के घर-घर जाकर मेडिकल कीट का वितरण किया गया जिसके तहत सूची अनुसार 123 मरीजो को मेडिकल कीट का वितरण घर पर किया गया। 16 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 12 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 6 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया।

25-4-2021

होम आईसोलेशन मरीजों को मेडिसिन कीट का वितरण, 123 मरीजो को किया मेडिसिन कीट का वितरण

रतलाम। कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन कीट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल कीट प्रदान की। ई-दक्ष केन्द्र रतलाम से होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 160 मेडिसिन कीट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजो के घर-घर जाकर मेडिकल कीट का वितरण किया गया जिसके तहत सूची अनुसार 123 मरीजो को मेडिकल कीट का वितरण घर पर किया गया। 16 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती होना पाया गया, 12 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत पाये गये तथा 6 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर से होना पाया गया।

25-4-2021

होम आईसोलेशन मरीजों को मेडिसिन किट का वितरण

रतलाम। कोविड-19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजों को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की।

ई-दक्ष केन्द्र रतलाम से होम आईसोलेशन के मरीजों की सूची स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 160 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई।

अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलों को वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई।

25-4-2021

अभियान

मलेरिया को खत्म करने के लिए मनेगा जागरूकता सप्ताह, संख्या हो रही है कम

25 अप्रेल से 1 मई तक मनेगा सप्ताह, लगातार कम हो रहे मलेरिया के मरीज

वर्ष	मलेरिया जांच	पॉजिटिव	पीएफ मलेरिया
2017	184707	1048	241
2018	185306	0663	177
2019	179514	0263	058
2020	205141	0108	020
2021	51000	0006	000

(वर्ष 2021 के आंकड़े अप्रैल माह तक के हैं।)

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में मलेरिया को लेकर लगातार टीम में काम कर रही है जिसका नतीजा यह है कि अब गिनती के मरीज ही पॉजिटिव आने लगे हैं। मलेरिया के मरीजों में लगातार कमी हो रही है इसके पीछे कारण ग्रामीण क्षेत्रों में विभाग द्वारा लगातार सर्वे कराने के साथ ही जागरूकता फैलाना है। लोगों में जागरूकता का ही असर है कि जनवरी से लेकर अप्रैल तक बीते 4 माह के दौरान विभाग द्वारा 51 हजार स्लाइड तैयार की गई, जिनमें महज 6 मरीज ही पॉजिटिव पाए गए हैं।

विभाग द्वारा 25 अप्रैल से 1 मई की अवधि को मलेरिया जागरूकता सप्ताह के रूप में मनाया जाना है। विभाग द्वारा इस बीच मलेरिया पर जन जागरूकता के लिए शॉर्ट वीडियो फिल्म भी जागरूकता के लिए प्रसारित की जाएगी। विश्व मलेरिया दिवस की थीम रिचिंग द जीरो मलेरिया टारगेट अर्थात शून्य मलेरिया लक्ष्य तक पहुंचना है। वहीं किल कोरोना कैंपेन के माध्यम से भी मलेरिया सर्विलेंस का कार्य किया जाएगा। घर-घर बुखार के मरीज तलाशे जाएंगे और आरडीटी के द्वारा जांच कर उपचार किया जाएगा।

जिले में 14 फीवर क्लीनिक

वर्तमान में जिले के सभी 14 फीवर क्लीनिक में मलेरिया की जांच अनिवार्य रूप से कराई जा रही है। प्रत्येक बुखार रोगी फेरी फीवर तकलीफ में आता है तो उसकी रक्त पटियां ऑडिटी से जांच की जा रही है, ताकि छुपे हुए मलेरिया के केस सामने आ सके और हम उनको समय पर उपचार मिल सके जिससे मलेरिया में वृद्धि को रोक सके और मलेरिया एलिमिनेशन कर सकें।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–पत्रिका––––पृष्ठ 2......दिनांक 25/4......2021

रात के बाद सुबह फिर से टैंकर आने के बाद भी सिलेंडरों से की जा रही है व्यवस्था

प्राणवायु बनकर आया निगम अमला : मेडिकल कॉलेज में मरीजों को ऑक्सीजन देने के लिए जारी है मशक्कत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 25-4-2021

रतलाम. मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार रात से शुरू हुई ऑक्सीजन की जंग शनिवार को भी दिनभर जारी रही। लोगों को सांसे देने के लिए सबसे मददगार कोई बना तो वह है नगर निगम का अमला जिसकी सूझबूझ और मेहनत के दम पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती मरीजों की जान पर मंडराने वाला संकट फिलहाल दूर हो गया है। ऑक्सीजन की खुशी के लिए यह टैंकर भी आए हैं लेकिन उस के दम पर मरीजों की जान बचा पाना फिलहाल संभव नजर नहीं आ रहा है, यही कारण है कि निगम की टीम के द्वारा शनिवार रात को फिर से सिलेंडरों की उठापटक शुरू कर दी गई।

आधी रात को मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन कमी की सूचना मिलते ही इसे दूर करने के लिए हर किसी को नगर निगम के कर्मचारियों की याद आई। पहले तो डीन डॉ जितेंद्र गुप्ता टीम के साथ जूटे रहे। उसके बाद सूचना पर नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के साथ स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह, जीके जायसवाल सहित 50 से 60 कर्मचारियों ने मोर्चा संभाला और कुछ कर्मचारी और अधिकारी मेडिकल कॉलेज में लगे तो कुछ महावीर ऑक्सीजन प्लांट पर थे। एक तरफ से ऑक्सीजन के भरे सिलेंडर लोड करके मेडिकल कॉलेज भेजे जा रहे थे तो दूसरी तरफ मेडिकल कॉलेज में सिलेंडर खाली होने के बाद उन्हें फिर से ऑक्सीजन प्लांट भेजा जा रहा था।

टला नहीं है संकट

मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन का संकट फिलहाल टला नहीं है। शुर वार रात को टैंकर आने के सभी ने राहत की सांस ली लेकिन यह राहत तात्कालिक ही नजर आ रही है। रतलाम में ऑक्सीजन का संकट फिलहाल टला हुआ नहीं दिख रहा है। रात के बाद शनिवार को फिर से ऑक्सीजन सिलेंडर की उठापटक का यह दौर जारी हो गया जो कि दोपहर तक जारी रहा। इसके बाद शाम 7 बजे से नगर निगम का अमला फिर से सिलेंडर की व्यवस्था में जुट गया।

...से तड़पते रहे मरीज

...स की, लगातार बढ़ रही संक्रमितों की संख्या

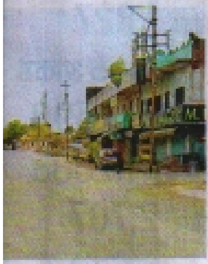

...पर पसरा सन्नाटा। ● नईदुनिया

...हुंचे मरीज। ● नईदुनिया

...बार सर्वाधिक 206 नए संक्रमित ...आए थे। इसके बाद 19 अप्रैल ...17, 22 अप्रैल को 235 और 23 अप्रैल को अब तक के सर्वाधिक रिकार्ड 263 नए केस सामने आ चुके हैं।

अभी भी बरत रहे लापरवाही: टोटल लाकडाउन के दौरान प्रशासन द्वारा दी गई ढील में अभी भी कई लोग लापरवाही बरत रहे हैं। इससे जागरूक लोगों में संक्रमण का खतरा बढ़ने का डर सता रहे हैं। हालांकि जगह-जगह पुलिस बल तैनात होकर लाकडाउन का पालन करा रहे हैं। फिर कुछ लोग बेवजह घूमते देखे जा रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि संक्रमण की रोकथाम के लिए शासन-प्रशासन की गाइड-लाइन का कड़ाई से पालन करना जरूरी है।

आज भी लगेंगे कोरोना के टीके

रतलाम। सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे ने बताया कि जिले के बाल चिकित्सालय में रविवार को 45 वर्ष से अधिक आयु के कोई भी व्यक्ति अपना कोविड टीकाकरण करा सकेंगे। पुराना कलेक्टोरेट परिसर में फ्रंटलाइन वर्कर का को-वैक्सीन का टीकाकरण किया जाएगा। शहर के बोहरा बाखल क्षेत्र में दोपहर की नमाज के बाद कोविड-19 टीकाकरण सत्र का आयोजन किया जाएगा। इसमें 45 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का टीकाकरण किया जाएगा इसी प्रकार सैलाना में भी बोहरा बाखल क्षेत्र में कोविड का टीकाकरण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त निजी अस्पतालों आरोग्यम हास्पिटल, गीतादेवी हास्पिटल, श्रद्धा हास्पिटल, जैन दिवाकर हास्पिटल, साईं श्री हास्पिटल, आशीर्वाद नर्सिंग होम में हितग्राही सशुल्क टीका लगवा सकेंगे।

शनिवार को 2809 लोगों को लगाए टीके

जिले में शनिवार 24 अप्रैल को 98 स्थानों पर टीकाकरण सत्र आयोजित किए गए। सत्रों के दौरान जिले में कुल 2809 लोगों का टीकाकरण किया गया। सीएमएचओ डा. प्रभाकर ननावरे ने बताया कि जिले में अब तक कुल 136758 कोविड-19 के डोज लगाए जा चुके हैं। इनमें से 17033 लोगों को को-कोविड का दूसरा टीका दिया जा चुका है। रतलाम जिले में शनिवार को

रतलाम मे कोरोना का टीका लगवाती हुई बुजुर्ग महिला। ● नईदुनिया

आयोजित सत्रों के दौरान रतलाम शहर में कुल 1209, जावरा विकासखंड में 360, रतलाम ग्रामीण क्षेत्र में 537, पिपलौदा विकासखंड में 246, आलोट विकासखंड में 266, बाजना विकासखंड मे 54, सैलाना विकासखंड में 127 लोगों को कोविड-19 के टीके लगाए गए।

रतलाम शहर के बाल चिकित्सालय रतलाम में 492, सिविल हास्पिटल जावरा में 243, कम्युनिटी हाल अलकापुरी मे 183, आरोग्यम हास्पिटल में 112, कम्युनिटी हाल जवाहर नगर में 103, जैन स्कूल काश्यप सभागृह में 103 लोगों का कोविड-19 टीकाकरण किया गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार [illegible] पृष्ठ 5....दिनांक 25-4....2021

बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल हेतु अधिकारी व कर्मचारी नियुक्त

रतलाम। कोविड-19 के तहत होम क्वेरनटाईन में रह रहे व्यक्तियों से उत्पन्न बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल हेतु निगम आयुक्त झारिया ने अधिकारी एवं कर्मचारियों को पाबंद किया। निगम आयुक्त ने कोविड-19 के तहत होम क्वेरनटाईन में रह रहे व्यक्तियों से उत्पन्न बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल कार्य हेतु झोन प्रभारी किरण चौहान मो.न. 7471144932 व वाहन चालक वसीम-अब्दुल मजीद को नियुक्त किया है जो वाहन क्रमांक एम.पी. 43-जी 2875 के माध्यम से संग्रहण व डिस्पोजल का कार्य करेंगे जिसका प्रतिदिन का रिकार्ड भी संधारित किया जायेगा। नियुक्त कर्मचारी स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी.सिंह के निर्देशन में कार्य करेंगे। 25-4-21

बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल हेतु अधिकारी व कर्मचारी नियुक्त

रतलाम। कोविड-19 के तहत होम क्वेरनटाईन में रह रहे व्यक्तियों से उत्पन्न बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने अधिकारी एवं कर्मचारियों को पाबंद किया।

निगम आयुक्त श्री झारिया ने कोविड-19 के तहत होम क्वेरनटाईन में रह रहे व्यक्तियों से उत्पन्न बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल कार्य हेतु झोन प्रभारी किरण चौहान मो.न. 7471144932 व वाहन चालक श्री वसीम-अब्दुल मजीद को नियुक्त किया है जो वाहन क्रमांक एम.पी. 43-जी 2875 के माध्यम से संग्रहण व डिस्पोजल का कार्य करेंगे जिसका प्रतिदिन का रिकार्ड भी संधारित किया जायेगा। नियुक्त कर्मचारी स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह के निर्देशन में कार्य करेंगे। [illegible] 25-4-21

बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल हेतु अधिकारी व कर्मचारी नियुक्त

रतलाम। कोविड-19 के तहत होम क्वेरनटाईन में रह रहे व्यक्तियों से उत्पन्न बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने अधिकारी एवं कर्मचारियों को पाबंद किया। निगम आयुक्त श्री झारिया ने कोविड-19 के तहत होम क्वेरनटाईन में रह रहे व्यक्तियों से उत्पन्न बायो मेडिकल वेस्ट संग्रहण व डिस्पोजल कार्य हेतु झोन प्रभारी किरण चौहान मो.न. 7471144932 व वाहन चालक श्री वसीम-अब्दुल मजीद को नियुक्त किया है जो वाहन क्रमांक एम.पी. 43-जी 2875 के माध्यम से संग्रहण व डिस्पोजल का कार्य करेंगे जिसका प्रतिदिन का रिकार्ड भी संधारित किया जायेगा। नियुक्त कर्मचारी स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह के निर्देशन में कार्य करेंगे।

इन्दौर समाचार
25-4-2021

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–नईदुनिया–पृष्ठ 11.....दिनांक 23.5......2021

14 गांवों को शीघ्र मिलेगी लाल पानी की समस्या से मुक्ति

राहत : साढ़े तीन दशक से अधिक समय बाद गुणावद जल संयंत्र फिर से जीवित

गुणावद डैम से शीघ्र हजारों लोगों को स्वच्छ जल मिलने लगेगा। • नईदुनिया

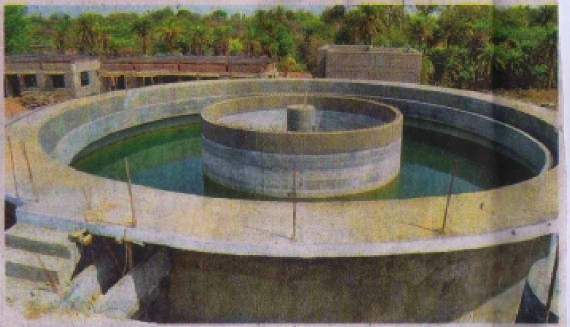

गुणावद जल संयंत्र का कार्य तेजी से चल रहा है। • नईदुनिया

विवेक बाफना | रतलाम

साढ़े तीन दशक से अधिक समय बाद गुणावद जल संयंत्र फिर से जीवित हो गया है। इससे जिले के 14 गांवों को लाल पानी की समस्या से मुक्ति मिल जाएगी। जल जीवन मिशन के तहत गुणावद जल संयंत्र का कार्य 80 फीसद से अधिक पूरा हो गया है।

कुछ गांवों में तो नलों से पानी मिलना भी शुरू हो गया है। इससे रहवासी काफी खुश नजर आ रहे हैं। शेष 20 फीसद काम जल्द पूरा होने के बाद जून 2021 तक लाल पानी की समस्या से वाले 14 गांवों के सभी रहवासियों को स्वच्छ पानी मिलने लगेगा।

उल्लेखनीय है कि 1960 में नगर पालिका ने रतलाम शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए मलेनी नदी गुणावद जल संयंत्र का निर्माण कराया था। 1984 में जल संसाधन विभाग का धोलावड़ डैम तैयार होने के बाद पानी वहां से मिलने लगा और गुणावद योजना बंद हो गई। साढ़े तीन दशक से अधिक समय के दौरान देखरेख के अभाव में इंटेकवेल, पाइप लाइन, फिल्टर प्लांट क्षतिग्रस्त हो गए। इससे पानी मिलना बंद हो गया। इसके बाद 2014 में शहर

सुविधा

- जल जीवन मिशन के तहत 80 फीसद काम पूरा
- कुछ गांव के निवासियों को मिलने लगा नलों से पानी

विधायक चेतन्य काश्यप ने गुणावद जल संयंत्र को फिर से जीवित करने में रुचि दिखाई। इसमें कई रुकावटें भी आईं, लेकिन अब शीघ्र ही उनके द्वारा किए गए प्रयास से हजारों परिवारों को स्वच्छ जल मिलने लगेगा।

जल जीवन मिशन के तहत इंदौर जल निगम बोर्ड द्वारा 25.94 लाख की लागत से गुणावद जल संयंत्र को फिर से जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। कंसल्टेंट एजेंसी के असिस्टेंट सिविल इंजीनियर सुरेंद्रसिंह कुर्वी ने बताया कि 80 फीसद कार्य पूरा हो गया है। वर्तमान में टेस्टिंग का कार्य किया जा रहा है। धौंसवास, सेजावता आदि गांवों में तो नलों से पानी मिलना भी शुरू हो गया है। अन्य गांवों में टेस्टिंग आदि कार्य जून के पहले पूर्ण होने की उम्मीद है। इसके बाद लाल पानी की समस्या वाले सभी 14 गांवों के रहवासियों को नल से स्वच्छ जल मिलने लगेगा।

फैक्टर फाइल

- 25.94 करोड़ की लागत से हो रहे कार्य।
- 2.1 एमसीएम गुणावद डैम की क्षमता।
- 2.8 एमएलटी पानी होगा प्रतिदिन साफ।
- 14 गांवों में दूर होगी लाल पानी की समस्या।
- 5000 से ज्यादा परिवार होंगे लाभान्वित।
- 5056 नल कनेक्शन है प्रभावित गांवों में।

25 हजार की आबादी होगी लाभान्वित

गुणावद जल संयंत्र फिर से जीवित होने से लाल पानी की समस्या वाले 14 गांवों की 25 हजार की आबादी लाभान्वित होगी। लाभान्वित होने वाले गांवों में धौंसवास, सेजावता, घटला, भटूनी, जड़वासाकलां, जड़वासाखुर्द, कलोरीकलां, सिमलावदा खुर्द, हतनारा, रिंगनिया, नगरा, मलवासा, बोरखना, बाजनखेड़ा शामिल हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार .... पृष्ठ 3 ...... दिनांक 25-11 2021

786 मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा

प्रसारण न्यूज • रतलाम

25-11-2021

नगर को साफ-स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानो, सड़को, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को दिन में पकड़े जाने के साथ ही निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा अब रात्रि में भी मवेशियों को पकड़ा जाएगा, क्योंकि मवेशी पालकों द्वारा दिन में मवेशियों को बांधकर रखा जाता है तथा रात्रि में खुला छोड़ दिया जाता है, जिससे शहर में गंदगी होती है।

कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अमले द्वारा 13 अक्टूबर से अभियान चलाया गया तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 786 मवेशियों को पकड़ा जाकर जिले की विभिन्न गौशालाओं में भेजा गया। अभियान के तहत दीनदयाल नगर व हाट रोड से 2 मवेशी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा पकड़ा गया।

शहर के सार्वजनिक स्थानों, सड़को चौराहो को मवेशी मुक्त बनाए जाने हेतु नगर निगम द्वारा शहर के मवेशी पालकों के बाड़े एवं तबेलों को अभियान चलाकर तोड़ा जाएगा, इस हेतु निगम द्वारा नगर के सभी मवेशी पालकों को नोटिस जारी किया गया है।

शहरी क्षेत्र में मवेशियों का पालन करना नियम विपरित है, ऐसे मवेशी पालक जो कि शहरी क्षेत्र में अनुमति के विपरित तबेले एवं बाड़ों का निर्माण कर मवेशियों का पालन किया जा रहा है, वे स्वयं अपने तबेले एवं बाड़े नहीं तोड़ते है, तो निगम द्वारा उन्हें तोड़ा जाकर राशि वसूल की जाएगी।

786 मवेशियों को पकड़कर गौशालाओं में भेजा

रतलाम। नगर को साफ-स्वच्छ व सुन्दर बनाने हेतु नगर निगम द्वारा सार्वजनिक स्थानो, सड़को, चौराहों पर स्वच्छंद विचरण करने वाले मवेशियों को दिन में पकड़े जाने के साथ ही निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार निगम के स्वास्थ्य विभाग अमले द्वारा अब रात्री में भी मवेशियों को पकड़ा जायेगा क्योंकि मवेशी पालको द्वारा दिन मे मवेशियों को बांधकर रखा जाता है तथा रात्रि में खुला छोड़ दिया जाता है जिससे शहर में गंदगी होती है। कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम रतलाम गोपालचन्द्र डाड व निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अमले द्वारा 13 अक्टूबर से अभियान चलाया गया तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 786 मवेशियों को पकड़ा जाकर जिले की विभिन्न गौशालाओं में भेजा गया। अभियान के तहत दीनदयाल नगर व हाट रोड से 2 मवेशी निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा पकड़ा गया। शहर के सार्वजनिक स्थानों, सड़को चौराहो को मवेशी मुक्त बनाये जाने हेतु नगर निगम द्वारा शहर के मवेशी पालकों के बाड़े एवं तबेलो को अभियान चलाकर तोड़ा जायेगा इस हेतु निगम द्वारा नगर के सभी मवेशी पालको को नोटिस जारी किया गया है। शहरी क्षेत्र में मवेशियों का पालन करना नियम विपरित है, ऐसे मवेशी पालक जो कि शहरी क्षेत्र में अनुमति के विपरित तबेले एवं बाड़ो का निर्माण कर मवेशियों का पालन किया जा रहा है वे स्वयं अपने तबेले एवं बाड़े नहीं तोड़ते है तो निगम द्वारा उन्हे तोड़ा जाकर राशि वसूल की जावेगी।

25-11-2021

विश्व मलेरिया दिवस आज • आज से मनेगा मलेरिया सप्ताह, मोबाइल पर मैसेज भेजकर जागरूक करेंगे

इस साल भी मिल गए 6 मामले, जबकि टारगेट 0 का, अब जागरूकता के लिए सोशल मीडिया का उपयोग करेगा विभाग

भास्कर संवाददाता | रतलाम

25-04-21

आज विश्व मलेरिया दिवस है। इस साल अच्छी खबर ये है कि मलेरिया के अब तक बहुत कम मामले सामने आए हैं, 2021 में अब तक 6 केस ही मिले हैं, 51 हजार से ज्यादा लोगों की जांच हो चुकी है। हालांकि, खतरा बरकरार है, ऐसे में आपको सावधानी रखना होगी। इधर, जागरुकता के लिए मलेरिया विभाग भी सोशल मीडिया का उपयोग कर रहा है।

2017 और उससे पहले जिले में मलेरिया के मामले 1 हजार से ज्यादा रहे हैं। अब आंकड़े सिमटना शुरू हो गए हैं। 2019 से 500 से कम हो गए थे, पिछले साल 20 केस मिले थे, इधर, इस बार शनिवार तक जिले में 6 मामले ही पॉजिटिव आए हैं। इस साल 13000 घरों में लार्वा की तलाश की है, 28200 कंटेनर चेक किए, इनमें से 27 घरों में मलेरिया के मच्छरों का लार्वा मिला है। जिले के 17 गांव संवेदनशील है, ऐसे में जून से जिले के 17 गांवो के 1970 घरों में दवा का छिड़काव किया जाएगा।

1 मई तक मनेगा मलेरिया जागरुकता सप्ताह

- जिले में 1 मई तक मलेरिया जागरुकता सप्ताह मनाया जाएगा।
- सोशल मीडिया के माध्यम से मैसेज भेजे जाएंगे।
- हर व्यक्ति के मोबाइल पर एसएमएस भेजा जाएगा, ताकि वे जागरुक रहें।
- मलेरिया दिवस की फोटो प्रोफाइल व स्टेटस पर लगाने का कहा जाएगा।
- शॉर्ट वीडियो फिल्म भी प्रसारित की जाएगी।

आप बचें मलेरिया से

1. इलाज से बेहतर है बचाव करना, इसलिए मच्छरों से बचने के लिए घर के दरवाजों और खिड़कियों में लोहे की जाली लगवाएं। कोशिश करें कि फुल पेंट और फुल स्लीव वाले कपड़े पहने ताकि आपका शरीर पूरी तरह ढंका रहे और मच्छर न काट सकें।
2. गर्मी में खुद को अच्छी तरह से हाइड्रेट रखकर मलेरिया को मात दे सकते हैं। इन दिनों शरीर गर्म रहता, जिसे निकालना बेहद आवश्यक है। इसके लिए आपको दिन भर पर्याप्त पानी पीने के अलावा नारियल पानी, जूस आदि पीना चाहिए।
3. मच्छर हमेशा घर के दरवाजे और खिड़कियों के पास और कोनों में छिपे रहते हैं। इन जगहों पर मच्छर मारने वाले स्प्रे जरूर डालें। इसके अलावा आप मच्छरों वाली रिफिल का इस्तेमाल करें।
4. घर के आसपास हमेशा सफाई रखें और पानी न जमा होने दें।
5. ऐसी जगह जहां कूड़ा या गंदगी पड़ी हो वहां पर ना जाएं।

5 सालों में मलेरिया

वर्ष	जांच	मरीज
2017	184707	1048
2018	185306	663
2019	179514	263
2020	205141	20
2021	51000	6

14 जगह मलेरिया जांच

जिले में 14 फीवर क्लिनिक में मलेरिया की जांच की जा रही है। बुखार आता है तो फीवर क्लिनिक में जरूर जाएं।

डॉ. प्रमोद प्रजापति, मलेरिया अधिकारी, रतलाम

25 अप्रैल को पशु वध करना, मटन विक्रय प्रतिबंधित

रतलाम। मध्यप्रदेश शासन के आदेशानुसार 25 अप्रैल को महावीर जयंती पर नगर सीमा में स्थित समस्त पशु वध गृह एवं मांस विक्रय की दुकानों पर पशुवध करना, मटन, गौश्त विक्रय करना अथवा बेचना निषेध किया गया है। निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने संबंधित स्वच्छता निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि उक्त दिवस को पशु वध करते या मटन गौश्त विक्रय करते पाया जाए तो संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार पत्रिका ---पृष्ठ 12.....दिनांक [illegible]....2021

गड़बड़झाला : पुलिस कार्रवाई के बाद किया था निलंबित, लेकिन उसी अवधि के दौरान कार्य करते हुए बता दिया गया

ये कैसा फर्जीवाड़ा : जो गया था अस्थाई जेल उसव

नगर निगम में सफाई कर्मचारी की हाजिरी का मामला सामने आया तो

एक्सक्लूसिव

आशीष पाठक
patrika.com 25-4-2021

रतलाम. नगर निगम में अक्सर सफाई कर्मचारियों की फर्जी हाजिरी को लेकर आरोप प्रत्यारोप लगते हैं। इस मामले का एक बड़ा खुलासा हुआ है। मामला सामने आने के बाद से नगर निगम में हड़कंप है। इसके बाद नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया ने पूरे मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं।

4 फरवरी को शहर में मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान आए थे। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मुख्यमंत्री को काले झंडे दिखाने की योजना बनाई थी। इसी दौरान शहर कांग्रेस कार्यालय के सामने प्रदर्शन करने की योजना बनाते हुए पुलिस ने अध्यक्ष महेंद्र कटारिया सहित कई नेताओं को पकड़ा था व सैलाना में सर्किट हाउस को जेल बनाते हुए भेज दिया था। इन नेताओं को पुलिस ने

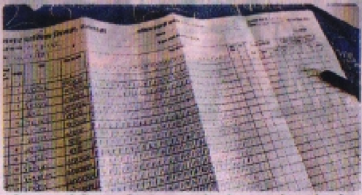

अधिकृत रुप से गिरफ्तार किया था। जिन नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार किया था उनमें वार्ड नंबर एक की पूर्व पार्षद भावना पेमाल के पति व कांग्रेस के अजा प्रकोष्ठ के शहर अध्यक्ष हितेश पेमाल भी थे।

निगम कर्मचारी है पेमाल

पुलिस ने पेमाल को गिरफ्तार किया कर्मचा लेकर

कोरोना • युवाओं में संक्रमण के ज्यादा मामले, राहत ये कि 5 दिन में 895 ठीक हो गए

9162 संक्रमित

हर आठवें मिनट में एक व्यक्ति हुआ पॉजिटिव, 10 हजार मरीज इसी माह हो जाएंगे

- रातभर ऑक्सीजन की जुगत में लगे रहे डॉक्टर
- युवा कोरोना के स्प्रेडर बनकर उभर रहे हैं

भास्कर संवाददाता | रतलाम

हमारे जिले में कोरोना संक्रमण घड़ी की रफ्तार से चल रहा है। हर 8वें मिनट एक संक्रमित सामने आ रहा है। 5 दिन में आंकड़ा 8 हजार से 9 हजार के पार हो गया है। चिंताजनक मौत के आंकड़े है क्योंकि, 5 दिन में ही 22 लोगों ने दम तोड़ दिया। ऐसे में अब आपका घरों में रहना ही सुरक्षित है।

शनिवार को जिले में 260 कोरोना पॉजिटिव मिले। कुल संक्रमित 9162 हो गए। रफ्तार ऐसी कि 46 दिन में केस दो गुना हो गए, 10 मार्च तक 4500 पॉजिटिव थे, जो अब 9 हजार के पार हो गए हैं। चिंताजनक... मौत के आंकड़े दो गुना होना है, 10 मार्च तक 83 लोगों की मौत हुई थी, आज तक 166 लोग कोरोना से दम तोड़ चुके हैं। जिले में 5 दिन में 1 हजार से ज्यादा लोग संक्रमित हो रहे हैं। जिले में युवा ज्यादा पॉजिटिव हैं, इससे साफ है कि ये स्प्रेडर बनकर उभरे हैं। अब ग्रामीण अंचलों में भी संक्रमण के मामले बढ़ना शुरू हो गए है।

पहले 1000 मामले 5 माह में आए, अब हर 5 दिन में 1000 पॉजिटिव

मौतें	केस	दिन
21	1000	145
24	2000	37
19	3000	46
13	4000	35
9	5000	89
16	6000	13
19	7000	7
19	8000	5
22	9000	5

राहत... 185 मरीज ठीक हो घर पहुंचे

लगातार बढ़ रहे मामलों के बीच राहतभरी खबर भी है, 5 दिन में 895 मरीज ठीक भी हो चुके है। 46 दिन में 3066 मरीज ठीक होकर अपने घर भी लौटे है। शनिवार को 185 मरीज ठीक हुए, मेडिकल कॉलेज से 35 लोग स्वस्थ होकर अपने घर लौटे। इधर, मेडिकल कॉलेज से ठीक होने वाले लोगों को कोविड नियमों का पालन करने के साथ ही दूसरों को भी नियमों का पालन करवाने की समझाइश दी जा रही है।

5 दिन में 22 मौत

1 से 2 हजार मरीज हुए थे तब सबसे ज्यादा 24 मौत हुई थी लेकिन 37 दिन लगे थे। अभी पिछले 5 दिन में 22 लोगों की मौत हो चुकी हैं।

सुबह 5 बजे तक डॉक्टर ऑक्सीजन सिलेंडर के लिए मशक्कत करते रहे, टैंकर से पहुंची 8 टन गैस से राहत

रतलाम | जिले में ऑक्सीजन को लेकर तनाव चल रहा है। अस्पतालों में डॉक्टरों सहित स्टाफ को डर है कि... ऑक्सीजन खत्म ना हो जाए। पूरा मैनेजमेंट ऑक्सीजन की जुगत में लगा हुआ है। शनिवार सुबह 5 बजे तक मेडिकल कॉलेज के डॉक्टर ऑक्सीजन सिलेंडर की मशक्कत करते रहे, इधर, 8 मैट्रिक टन ऑक्सीजन पहुंचने से शनिवार दोपहर कट गई।

शुक्रवार-शनिवार की दरमियान रात में मेडिकल कॉलेज पर ऑक्सीजन का बड़ा खतरा आ गया था, लिक्विड ऑक्सीजन खत्म हो गई थी, ऐसे में सिलेंडरों के भरोसे ही मरीजों को सांसें दी। डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता के साथ ही डॉक्टरों की टीम और नगर निगम की टीम सुबह 5 बजे तक 50-50 सिलेंडर भरवाकर लाते रहे थे।

निजी अस्पताल पर संकट... परिजन बोले - गाड़ी में से निकालकर दिया सिलेंडर

- आयुष ग्राम में भर्ती शेरानीपुरा निवासी राशिदा बी के बेटे असगर खान ने बताया ऑक्सीजन खत्म होने की कगार पर है यह पता चला था। ऐसे में मालवा ऑक्सीजन प्लांट पर देर रात पहुंचकर सिलेंडर भरवाए। ऑक्सीजन खत्म होने के डर से रोना आ रहा था।
- एक अन्य भर्ती मरीज डालूमोदी बाजार निवासी विमला देवी के बेटे संदीप मेहता ने बताया ऑक्सीजन कम होने की बात हमें पता चल गई थी। डॉक्टर के साथ प्लांट पर पहुंचे। गाड़ी में एक सिलेंडर था, इसे भी लगा दिया। मां को आईसीयू में शिफ्ट किया गया।

घर में रहना जरूरी

घर में रहने की आदत बनाना होगी। एक व्यक्ति संक्रमण लेकर आता है, पूरे परिवार को संक्रमित करता है। पॉजिटिव आने से ज्यादा चिंताजनक मरीज की स्थिति गंभीर होना है।

डॉ. गौरव बोरीवाल,
एपेडेमियोलॉजिस्ट, रतलाम

जान बचाना जरूरी

ऑक्सीजन को लेकर कमी ना हो, इसके लिए जुटे हैं। डॉक्टर्स 24-24 घंटे काम कर रहे हैं। विधायक और प्रशासन के प्रयासों से ऑक्सीजन का बड़ा संकट नहीं आया है। मरीज की जान बचाना प्राथमिकता में है।

डॉ. जितेंद्र गुप्ता, डीन

भर्ती मरीजों की होने लगी पूछ परख

रतलाम. मेडिकल कॉलेज में सत्ता बदलते साथ ही हर दिन कुछ नया देखने को मिलने लगा है। यहां चल रहे परिवर्तन को देख अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों ने भी राहत की सांस ली है। दरअसल अब से पहले तक जिन मरीजों की ओर कोई झांकता नहीं था, अब उन मरीजों की यहां का स्टाफ वीडियो कॉल पर परिजनों से बात करा रहा है तो जो खाना नहीं खा रहा है, उसे स्टाफ खाना भी खिला रहा है। यह बात हम नहीं कह रहे हैं बल्कि परिसर में मौजूद मरीज के परिजन कह रहे हैं।

दरअसल कुछ समय पहले तक मरीज के परिजनों को मरीज की वस्तुस्थिति का भी पता नहीं चल पा रहा था लेकिन अब उनकी पूछ परख बढ़ गई है जिसका लाभ मरीज के साथ परिजनों को भी हो रहा है। हालांकि यह सब होने के पीछे एक बड़ा कारण स्टाफ का बढ़ना भी बताया जा रहा है जिसके चलते यह संभव हो सका है। स्टाफ बढ़ा दिया जाता तो हालात पहले ही सुधर जाते लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस पर ध्यान नहीं दिए जाने से आए दिन यहां कुछ न कुछ घटित होता रहता था।

आईसीयू में भर्ती मरीजों को किसी भी चीज की आवश्यकता होने पर स्टाफ बुलाने के लिए बेल भी बजा सकते हैं, इसकी व्यवस्था भी वार्ड में की गई है। इतना ही नहीं यहां गंभीर हालत में भर्ती मरीजों से परिजनों की बेहतर ढंग से मुलाकात कराई जाने लगी है। इसके अतिरिक्त हेल्प डेस्क पर मरीज के परिजनों को जानकारी देने के लिए आयुष डॉक्टर भी बैठाए गए हैं जो कि मरीज के भर्ती होने से लेकर उपचार तक की जानकारी परिजनों को उपलब्ध कराने में सहायक बन रहे हैं।

350 मरीज है ऑक्सीजन पर

मेडिकल कॉलेज में वर्तमान स्थिति में 350 मरीज ऑक्सीजन वाले बेड पर हैं। इन मरीजों को लगातार ऑक्सीजन दिए जाने की बहुत जरूरत है लेकिन इनकी पूर्ति करने में प्रशासन को काफी मशक्कत करना पड़ रही है। यदि यही हालात रहे तो रतलाम में भी ऑक्सीजन की कमी से मरीज दम तोड़ने लग जाएंगे और कोई चाह कर भी कुछ नहीं कर पाएगा। क्योंकि निजी अस्पताल वैसे ही ऑक्सीजन की कमी बता रहे और अब मेडिकल कॉलेज में भी हालत बिगड़ने लगे है।

35 मरीज स्वस्थ होकर घर लौटे

रतलाम. मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रतलाम से स्वस्थ होकर शनिवार को 35 व्यक्ति अपने घर लौटे। डिस्चार्ज होते समय इन लोगों ने नियमों का पालन करने तथा अपने परिजनों को भी सभी नियमों का पालन कराने का संकल्प लिया। डिस्चार्ज हुए लोगों ने मेडिकल कॉलेज की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए यहां के स्टाफ को धन्यवाद दिया।

मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि कॉलेज में 64 नए मरीज भर्ती हुए। शनिवार की स्थिति में मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आईसीयू बेड 56 सभी फुल हैं। एचडीयू में 172 बेड फुल हैं।, ऑक्सीजन के 120 बेड भी फुल हैं। नॉन ऑक्सीजन बेड 202 में से 133 पर मरीज भर्ती हैं। कुल 481 पेशेंट हॉस्पिटल में भर्ती हैं।इनमें 289 पॉजीटिव हैं तथा शेष सस्पेक्टेड या ऑक्सीजन लेवल वाले हैं। हॉस्पिटल में रिक्त बेड 69 हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–पत्रिका–––––––पृष्ठ 3.....दिनांक 25-4.....2021

मेडिकल कॉलेज में नगर निगम कर रहा सफाई

बदलाव का असर: तीन दिन में निकला आठ टन कचरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 25-4-2021

रतलाम. मेडिकल कॉलेज में स्वच्छता के कार्य का ठेका लेने वाले ठेकेदार के चले जाने के बाद पिछलेतीन दिन से नगर निगम के कर्मचारी यहां पर स्वच्छता का मोर्चा संभाले हुए हैं। तीन दिन में इस कॉलेज से करीब 8 टन कचरा लेकर निगम के वाहन जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड गए हैं। निगम यहां पर 6 - 6 घंटे के चार शिफ्ट में सफाई के लिए निगरानी करके स्वच्छता अभियान को चलाए हुए है।

शहर के मेडिकल कॉलेज में स्वच्छता कार्य का ठेका दिया हुआ था। इसके लिए बकायदा लिखित में अनुबंध हुआ था। बताया जाता है कि इंदौर की एक पार्टी द्वारा कार्य लिए जाने के बाद अचानक बीच में इस कार्य को कर्मचारियों की कमी होने का आधार बनाकर काम छोड़ दिया गया। इसके बाद ताबड़तोड़ कलेक्टर गोपालचंद्र डाड ने नगर निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया को अपनी टीम के साथ स्वच्छता कार्य का मोर्चा संभालने को कहा। गुरुवार दोपहर को मिले इस आदेश के बाद ताबड़तोड़ शाम तक 22 कर्मचारी नगर निगम के मेडिकल कॉलेज में लगाए गए।

कई संसाधन का हो रहा उपयोग

मेडिकल कॉलेज में सफाई कार्य गुरुवार से शुरु होने के बाद से शनिवार शाम तक 8 टन कचरा नगर निगम की टीम ने जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंचाया है। इसके लिए दो कॉम्पेटन व एक मैजिक वाहन का उपयोग किया जा रहा है। हमारे 22 कर्मचारी लगातार मेडिकल कॉलेज में स्वच्छता का कार्य कर रहे है। **- सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम

मेडिकल कालेज में आक्सीजन की कमी

कोरोना से जंग • दो दिन बाद आठ केएल आक्सीजन मिली, जबकि जरूरत हर दिन द

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेडिकल कालेज के कोविड केयर सेंटर में शुक्रवार की रात आक्सीजन खत्म होने से कई मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई मरीज घंटों तड़पते रहे। मरीजों की संख्या के हिसाब से आक्सीजन नहीं मिल रही है। दो दिन बाद शनिवार को आठ केएल आक्सीजन मिली है, जबकि हर दिन दस केएल आक्सीजन की जरूरत है। उधर, कोरोना संक्रमितों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इससे मरीजों की जान बचाने में पर्याप्त इंतजाम करने में दिक्कतें आ रही हैं।

शुक्रवार की रात किसी तरह इधर-उधर से डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने आक्सीजन का इंतजाम कर मरीजों की जान बचाई, लेकिन इसी तरह आक्सीजन की कमी बनी रही तो कभी भी बड़ा झटका लग सकता है। इसकी जानकारी शासन-प्रशासन को दी गई है। आश्वासन मिला है कि अब जरूरत के अनुसार आक्सीजन की सप्लाई होगी। हालांकि शनिवार को भी जरूरत से कम ही आक्सीजन दी गई है। डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार की रात में आक्सीजन कम पड़ गई थी तो अपने स्तर से इंतजाम कर मरीजों को राहत दी है। हमें हर दिन दस केएल आक्सीजन की आवश्यकता है और मिल इससे कम रही है। शुक्रवार को दिन में ही बता दिया था कि आक्सीजन नहीं है और कभी भी दिक्कत हो सकती है। अब हालात ऐसे बन रहे हैं कि मरीजों को भर्ती करना बंद कर दिया जाए। हमारे कोविड केयर सेंटर में क्षमता से अधिक मरीज भर्ती हैं और आक्सीजन की कमी लगातार बनी हुई है। दूसरी सुविधाओं को तो हम संभाल रहे हैं, लेकिन आक्सीजन की कमी से व्यवस्था बिगड़ रही है। रात में आक्सीजन की कमी से किसी की जान नहीं गई, लेकिन परेशानी हुई और समय पर यदि आक्सीजन की व्यवस्था नहीं बनती तो कुछ भी हो सकता था।

मेडिकल कालेज में शुक्रवार रात आक्सीजन की कमी से अफरा-तफरी का माहौल बन गया था। • नईदुनिया

डाट की पुल रोड क्षेत्र में ठेलागाड़ी से सब्जी खरीदते हुए ग्राहक। • नईदुनिया

आक्सीजन सिलिंडर वाहन में रखते निगम कर्मचारी। • नईदुनिया

केवल 69 नान आक्सीजन बेड खाली : मेडिकल कालेज हास्पिटल से स्वस्थ होकर शनिवार को 35 व्यक्ति अपने घर लौटे। डिस्चार्ज होते समय इन लोगों ने कोविड के नियमों का पालन करने तथा अपने स्वजनों को भी सभी नियमों का पालन कराने का संकल्प लिया। डिस्चार्ज हुए लोगों ने मेडिकल कालेज की व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त करते हुए यहां के स्टाफ को धन्यवाद दिया। मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि मेडिकल कालेज में 64 नए मरीज भर्ती हुए। शनिवार की स्थिति में मेडिकल कालेज हास्पिटल में कुल बिस्तरों की संख्या 550, आइसीयू बेड 56 सभी फुल है। एचडीयू में 172 बेड सभी फुल है। आक्सीजन बेड 120 सभी फुल है। नान आक्सीजन बेड 202 में से 133 पर पेशेंट भर्ती है। कुल 481 पेशेंट हास्पिटल में भर्ती है। इनमें 289 पाजीटिव हैं तथा शेष सस्पेक्टेड या आक्सीजन लेवल वाले हैं। हास्पिटल में रिक्त बेड 69 हैं। उन्होंने बताया कि मरीजों व उनके स्वजनों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के लिए किए जा रहे प्रयासों में निरंतर वृद्धि की जा रही है।

185 लोगों को मिली स्वस्थ होने की खुशी : कोरोना से संक्रमित 185 लोगों को शनिवार को स्वस्थ होने की खुशी मिली। इन्हें स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। मेडिकल कालेज रतलाम से 35 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया। इसी प्रकार होम आइसोलेशन से 123 व्यक्तियों को रिपोर्ट निगेटिव आने के उपरांत डिस्चार्ज किया गया। रतलाम स्थित श्रद्धा हास्पिटल से छह व्यक्ति को डिस्चार्ज किया गया। रेलवे हास्पिटल दो, नवीन कन्या परिसर से तीन तथा अन्य सेंटर से 16 व्यक्तियों को डिस्चार्ज किया गया।

260 नए मरीज मिले और पांच की मौत

रतलाम। जिले में कोरोना संक्रमण की भयावह स्थिति निर्मित हो गई है। लगातार संक्रमितों की संख्या नए रिकार्ड बना रही है। शनिवार को 260 नए मरीज मिले। पांच मौत भी हुई। 170 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया। अब एक्टिव मरीजों की संख्या 1425 है। मालूम हो कि जिले में अभी तक 9162 मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 7576 स्वस्थ हुए हैं और 166 की मौत हो चुकी है। पेंडिंग सैंपलों की संख्या भी 1500 से ज्यादा बनी हुई है। जिले में लोगों के स्वास्थ्य की जांच का दायरा भी बढ़ा दिया गया है। सैंपलिंग बढ़ाने के बाद कुछ दिनों में पाजिटिविटी रेट कम होने की उम्मीद है।

अप्रैल की सात तारीख से हर दिन 100 से अधिक नए केस सामने आ रहे हैं। 24 अप्रैल तक पांच मर्तबा नए संक्रमितों का आंकड़ा दोहरे शतक के पार पहुंच चुका है। अप्रैल में 17 तारीख को

पह
साम
को

रतलाम में लाकडाउन के दौरान डा. राजेंद्र प्रसाद मा

जिला अस्पताल के फीवर क्लीनिक पर जांच कराने

160 सिलेंडर में ऑक्सीजन भरवाकर नगर निगम ने मेडिकल कॉलेज पहुंचाए

रिफिलिंग किए सिलेंडर मेडिकल कॉलेज में उतारता निगम का अमला।

भास्कर संवाददाता | रतलाम

25-4-2021

मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की कमी दूर करने के लिए निगम की टीम जुट गई है। शनिवार को अमले ने तीन बार में 160 खाली सिलेंडरों की रिफिलिंग कर मेडिकल कॉलेज पहुंचाए। मालवा ऑक्सीजन व महावीर प्लांट से भरवाई गई। शुक्रवार रात स्थिति से सबक लेकर निगम अमला शनिवार सुबह ही मेडिकल कॉलेज में तैनात था।

स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह ने कर्मचारियों की मदद से पहली बार में 50 सिलेंडर, दूसरी बार में 90 और तीसरी बार में 20 सिलेंडरों को लोडिंग वाहनों में भरकर ऑक्सीजन प्लांट ले गए। वहां से रिफिलिंग कर वापस मेडिकल कॉलेज में दिए। यह क्रम देर रात तक चलता रहा। रात को आयुक्त सोमनाथ झारिया, उपायुक्त विकास सोलंकी, सहायक यंत्री श्याम सोनी भी पहुंच गए थे। बता दें कि शुक्रवार रात मेडिकल कॉलेज की लिक्विड ऑक्सीजन और सिलेंडर भी खाली होने की कगार पर पहुंच गए थे। इसका पता चलते ही आयुक्त झारिया तुरंत टीम लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। मालवा ऑक्सीजन में 3, महावीर ऑक्सीजन में 2 लोडिंग वाहन और इनके साथ 70 लेबर लगाकर 280 से ज्यादा सिलेंडरों की रिफिलिंग कर मेडिकल कॉलेज पहुंचाए। रात 12.30 बजे लिक्विड ऑक्सीजन का टैंकर आने और रात 2 बजे स्थिति सामान्य होने पूरा अमला वहीं डटा रहा। आयुक्त सोमनाथ झारिया ने बताया मेडिकल कॉलेज में ऑक्सीजन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं हो जाती है तब तक नगर निगम का अमला ही पूरी व्यवस्था संभालेगा।